उत्तर कोरिया ने अमेरिका के नेतृत्व में युद्धाभ्यास को बताया आक्रामक युद्ध की रिहर्सल

सोल,(ए)। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के नेतृत्व में हाल ही में आयोजित बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास रिम ऑफ द पैसिफिक को आक्रामक युद्ध की रिहर्सल करार दिया है। साथ ही उसने चेतावनी दी कि वह इसके जवाब में प्रतिरोधक क्षमता को नए स्तर पर ले जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को एक सैन्य टिप्पणीकार के हवाले से प्रकाशित लेख में कहा गया है कि सिंपैक अभ्यास दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग का प्रतीक है और इसका उद्देश्य क्षेत्र में सैन्य दबदबा कायम करना है।

लेख में दावा किया गया कि इस बार अभ्यास में दक्षिण कोरिया और जापान की भूमिका पहले की तुलना में ज्यादा व्यापक रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वाशिंगटन तीनों देशों के बीच सैन्य समन्वय और संयुक्त अभियान क्षमता को और मजबूत करना चाहता है। अमेरिकी प्रशांत बेड़े के उप-कमांडर के उस बयान का भी इसमें उल्लेख किया गया, जिसमें कहा गया था कि दक्षिण कोरिया और जापान की भूमिका केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि वास्तविक सैन्य अभियानों के लिए अहम है।

उत्तर कोरिया ने इसे इस बात का प्रमाण बताया कि दुनिया के सबसे बड़े नौसैनिक अभ्यासों में शामिल सिंपैक का उद्देश्य संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी करना है। उत्तर कोरिया ने हाल के दक्षिण कोरिया-अमेरिका संयुक्त सैन्य प्रोग्राम्स की भी आलोचना की।

प्योंगयांग का आरोप है कि ये गतिविधियां कोरियाई प्रायद्वीप में संभावित सैन्य संघर्ष की तैयारी का हिस्सा हैं। लेख में कहा गया कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया का त्रिपक्षीय सैन्य सहयोग अब रेड लाइन पार कर चुका है और यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा के लिए नया संकट पैदा कर रहा है। उत्तर कोरिया ने दोहराया कि वह किसी भी बढ़ते सैन्य खतरे का जवाब अपनी प्रतिरोधक क्षमता को उसी स्तर तक बढ़ाकर देगा। देश की सुरक्षा नीति का मूल सिद्धांत यही है कि नई स्तर के खतरे का मुकाबला नई स्तर की प्रतिरोधक क्षमता से किया जाएगा।

अमेरिका-ईरान के बीच समझौते का ड्राफ्ट हुआ तैयार

वॉशिंगटन(ए)। दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की दिशा में बड़ी प्रगति सामने आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी अप्रत्यक्ष बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई है और इस रणनीतिक समुद्री रास्ते पर सामान्य आवाजाही बहाल करने के लिए समझौते का मसौदा तैयार किया जा चुका है।मध्यस्थ देशों की कोशिशों के बाद तैयार हुए इस ड्राफ्ट पर अमेरिका और ईरान की टीमें चर्चा कर रही हैं। बातचीत का मुख्य उद्देश्य मौजूदा तनाव को कम करना, किसी नए सैन्य टकराव को रोकना और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू करना है।28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया था। इसके बाद से इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई।

यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। सूत्रों के अनुसार, ओमान में चल रही बातचीत में भविष्य में जहाजों के संचालन और समुद्री यातायात के नियमों को लेकर भी चर्चा हो रही है। मध्यस्थ देशों का प्रयास है कि ऐसा समझौता तैयार किया जाए जिससे क्षेत्र में स्थायी स्थिरता आ सके। अमेरिकी अधिकारियों ने भी जल्द किसी सकारात्मक नतीजे की उम्मीद जताई है। अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा है कि होर्मुज को दोबारा खोलने पर जल्द समझौता हो सकता है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में स्थिरता लौटने की संभावना है। उनका कहना है कि अमेरिका का उद्देश्य इस समुद्री मार्ग पर निर्बाध जहाज संचालन सुनिश्चित करना है। हालांकि, इस पूरे मामले में ईरान की भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। ईरान चाहता है कि उसके तट के पास से गुजरने वाले जहाज उसके अधिकारियों के साथ समन्वय करें और तय मार्गों का पालन करें। ईरान की ओर से जहाजों से शुल्क वसूलने की कोशिशों का अमेरिका विरोध करता रहा है। इस कूटनीतिक पहल में खाड़ी देशों की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों ने तनाव कम करने के प्रयासों का समर्थन किया है। हालांकि ईरान ने अमेरिका के साथ सीधे बातचीत से इनकार किया है और दोनों देशों के बीच संपर्क फिलहाल मध्यस्थों के जरिए ही जारी है।यदि समझौता सफल होता है तो इसका असर केवल क्षेत्रीय शांति पर नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार और समुद्री व्यापार पर पड़ेगा। होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने से तेल आपूर्ति में स्थिरता आने और वैश्विक बाजारों को राहत मिलने की उम्मीद है।

दुनिया के [illegible] में मिग-25

वाशिंगटन (ए)। शीत युद्ध के दौर में अमेरिका और सोवियत संघ के बीच सैन्य तकनीक की प्रतिस्पर्धा चरम पर थी। दोनों देशों ने ऐसे लड़ाकू विमान विकसित किए, जिन्होंने आधुनिक विमानन तकनीक को नई दिशा दी। जहां अमेरिका ने अपने अत्याधुनिक एसआर-71 ब्लैकबर्ड में महंगे टाइटेनियम का इस्तेमाल किया, वहीं सोवियत संघ ने मिग-25 फॉक्सबैट के निर्माण में निकेल-स्टेनलेस स्टील को प्राथमिकता दी। यह फैसला उस समय अलग नजर आया, लेकिन इसी तकनीकी सोच ने मिग-25 को दुनिया के सबसे तेज उड़ान विमानों में शामिल कर दिया। भारतीय वायुसेना में मिग-25आर उड़ान विमान ने 1981 से 2006 तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कारगिल युद्ध के दौरान ऑपरेशन सफेद सागर में इस विमान ने दुश्मन की तैनाती, बंकरों, आपूर्ति मार्गों और ठिकानों की स्थिति की जानकारी जुटाने में अहम योगदान दिया। इसके अलावा, ऑपरेशन पराक्रम के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया गया।

अमेरिका ने एसआर-71 के लिए टाइटेनियम इसलिए चुना क्योंकि यह हल्का होने के साथ अत्यधिक तापमान सहने में सक्षम था। मैक 2.5 से अधिक की गति पर उड़ते समय विमान की बाहरी सतह का तापमान 300 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच सकता था। ऐसी स्थिति में सामान्य धातुएं कमजोर पड़ सकती थीं। टाइटेनियम ने एसआर-71 को तेज गति और ऊंचाई पर उड़ान भरने की क्षमता दी, लेकिन इसकी तकनीक बेहद गोपनीय रही

इमरान खान को परिवार और वकीलों से मिलने दें: बुशरा

इस्लामाबाद(ए)। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी खान को बिना शर्त परिवार और वकीलों से मिलने की अनुमति देने की मांग की है। संगठन ने आरोप लगाया है कि इमरान खान को लंबे समय से निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार, चिकित्सा सुविधाओं और मुलाकात के अधिकारों से वंचित रखा गया है। संगठन की दक्षिण एशिया क्षेत्रीय निदेशक इसाबेल लासी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से पाकिस्तान के अधिकारियों ने इमरान खान के अधिकारों को लगातार सीमित किया है। उन्होंने दावा किया कि इमरान खान को लंबे समय तक एकांत कारावास में रखा गया और पिछले कई महीनों से उन्हें परिवार से मिलने की अनुमति नहीं दी गई है। साथ ही उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर भी चिंता जताई गई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, इमरान खान और बुशरा बीबी खान को दिसंबर 2025 से नियमित रूप से कानूनी सलाहकारों से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। संगठन ने मांग की है कि दोनों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और कथित गैरकानूनी एकांत कारावास को खत्म किया जाए। मानवाधिकार संगठन ने पाकिस्तान प्रशासन से इमरान खान के परिवार, उनकी पार्टी और समर्थकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का अधिकार देने की भी अपील की है। संगठन ने कहा कि किसी भी राजनीतिक विरोध को दबाने के लिए मनमानी कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि उसने 2024 में इमरान खान के खिलाफ दर्ज मामलों की समीक्षा की थी और निष्कर्ष निकाला था कि उनकी हिरासत राजनीतिक कारणों से प्रभावित और गैरकानूनी प्रतीत होती है। संगठन ने यह भी कहा कि जनवरी 2025 में इमरान खान को कुछ मामलों में राहत मिली थी। इमरान खान को पहली बार 9 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद अगस्त 2023 में उन्हें दोबारा हिरासत में लिया गया और तब से वह जेल में हैं। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शनों के बाद उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कई नेताओं और समर्थकों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से कई लोग अब भी गंभीर आरोपों के तहत हिरासत में हैं। मानवाधिकार संगठन ने पाकिस्तान सरकार से न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और राजनीतिक अधिकारों के सम्मान की अपील की है।

ट्रंप को मारने की

वॉशिंगटन(ए)। अमेरिकी राष्ट्रपति [illegible] फंडरेजिंग इवेंट से ठीक पहले, एक संदि अधिकारियों के अनुसार, यह गिरफ्तारी त था, जहां ट्रंप एक कार्यक्रम में शामिल होने टेले को रविवार को लॉस एंजिल्स-इलाके को उसकी जेब से 16-राउंड की मैगजीन [illegible] ने पास के शहर डाउनी में उसके घर की गोलियां, बॉडी आर्मर और ऐप्पी नोटबुक श ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई जब डोनाल्ड आयोजित एक फंडरेजिंग डिनर में शामिल के आस-पास तस्वीरें और वीडियो बना र था। टेले पर कई गंभीर अपराधों (फेलोन रखना और छोटी बैरल वाली राइफल या

अल्जीरिया ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के कारण कोच पेटकोविच को हटाया

अल्जीयर्स (ईएमएस)। अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन (एफएएफ) ने हाल में हुए फीफा विश्वकप में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम के मुख्य कोच व्लादिमीर पेटकोविच और उनके सहयोगी स्टाफ को हटा दिया है। एफएएफ ने कोच पेटकोविच के 29 महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर कर दिया है। इसका कारण उनका अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाना रहा है। एफएएफ ने एक आधिकारिक बयान में पेटकोविच और उनके स्टाफ के प्रति उनके पेशेवरपन, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

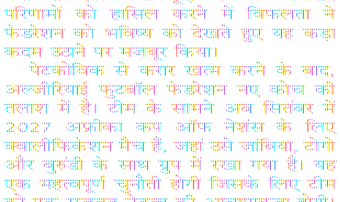

गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड और लाजियो के पूर्व कोच रहे पेटकोविच को मार्च 2024 में जामेल बेलमाडी की जगह टीम का कोच बनाया गया था। उनके मार्गदर्शन में, अल्जीरिया ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, 2022 में बाहर रहने के बाद टूर्नामेंट में अपनी वापसी सुनिश्चित की। यह उपलब्धि प्रशंसनीय थी, जिसने टीम में नई उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 62 वर्षीय पेटकोविच के नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन विश्व कप में निराशाजनक रहा, जिसके कारण फेडरेशन को अल्पर होने का निर्णय लेना पड़ा। अल्जीरिया ग्रुप जे में तीसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण में पहुंचा, लेकिन राउंड ऑफ 32 में स्विट्जरलैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। यह गौरतलब है कि विश्व कप से कुछ समय पहले ही पेटकोविच का अनुबंध 2028 तक बढ़ा दिया गया था। इसके बावजूद, टीम के अपेक्षित परिणामों को हासिल करने में विफलता ने फेडरेशन को भविष्य को देखते हुए यह कड़ा कदम उठाने पर मजबूर किया।

पेटकोविच से करार खत्म करने के बाद, अल्जीरियाई फुटबॉल फेडरेशन नए कोच की तलाश में है। टीम के सामने अब सितंबर में 2027 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के लिए क्वालीफिकेशन मैच हैं, जहां उसे जांबिया, टोगो और बुरुंडी के साथ ग्रुप में रखा गया है। यह एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी जिसके लिए टीम को एक मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता होगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार नाइजीरिया के हेड कोच एरिक चेले और हाल ही में ट्यूनीशिया से अपना पद छोड़ने वाले अनुभवी कोच हर्वे रेनार्ड, पेटकोविच की जगह ले सकते हैं।

सीए ने भारतीय मूल के नील को अंडर-1

सिडनी (ईएमएस)। भारत को जिस प्रकार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के तौर पर एक उभरता हुआ सितारा मिला है। वैसा ही एक सितारा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को भी मिल गया है। संयोग की बात ये है कि ये उभरता क्रिकेटर नील पटेल भी भारतीय मूल का है। युवा सलामी बल्लेबाज नील पटेल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया है। इसी कारण इस बल्लेबाज को अगले माह 13 सितंबर से होने वाले भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। नील को ऑस्ट्रेलिया के 16 सबसे होनहार और उभरते हुए क्रिकेटरों की सूची में भी जगह मिली है जिससे उनकी असाधारण खेल क्षमता का अंदाजा होता है।

नील ने बहुत कम उम्र में ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट और एज-ग्रुप टूर्नामेंट्स में काफी अधिक रन बनाये हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के सबसे रोमांचक और आक्रामक युवा बल्लेबाजी प्रतिभा में से एक माना जाता है। न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने अपनी ठोस तकनीक, क्रीज पर गजब के संयम और लंबी पारियां खेलने की क्षमता से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए पटेल ने सिर्फ 16 साल की उम्र में सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने एक कैलेंडर साल में 1,000 से ज्यादा रन बनाकर सिडनी प्रीमियर क्रिकेट फर्स्ट ग्रेड के इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक बनने का कारनामा किया था। एक ऑफस्पिनर के तौर पर इस उभरते क्रिकेटर की तेजी से खेलने का तरीका आता है। जिससे वह किसी भी पारुप में एक मूल्यवान खिलाड़ी बनाता है।

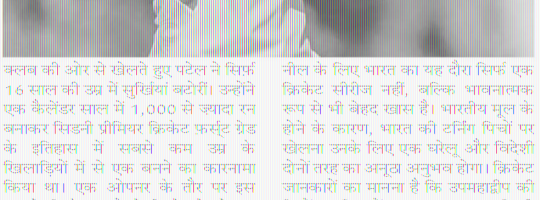

नील के लिए भारत का यह दौरा सिर्फ एक क्रिकेट सीरीज नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी बेहद खास है। भारतीय मूल के होने के कारण, भारत की टर्निंग पिचों पर खेलना उनके लिए एक घरेलू और विदेशी दोनों तरह का अनूठा अनुभव होगा। क्रिकेट जानकारों का मानना है कि उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिनरों का सामना करना किसी भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज के लिए सबसे कठिन परीक्षा होती है। अगर नील

भारतीय टीम का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचना कठिन , श्रीलंका के प

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम जिस प्रकार से खेल रही है। उसको देखते हुए उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल में पहुंचने की संभावना बेहद कम है। वहीं श्रीलंका के पास अच्छा अवसर है। चोपड़ा के अनुसार ये सही है कि भारतीय टीम दो बार की उपविजेता रही है पर इस बार उसकी राह लगभग असंभव नजर आ रही है। वहीं श्रीलंका के पास भारत के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू सीरीज जीतकर शीर्ष चार में जगह बनाने का अवसर है। भारतीय टीम 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। वर्तमान हालातों पर नजर डालें तो डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में भारतीय टीम 48.150 फीसदी अंकों (पीसीटी) के साथ पांचवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में चार जीत और चार हार दर्ज की हैं। वहीं, श्रीलंका 41.67 पीसीटी के साथ छठे स्थान पर है।

चोपड़ा ने बताया कि श्रीलंका के लिए यह सीरीज निर्णायक साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, अगर हम (भारत) 2-0 से हारते हैं, तो हम सिर्फ 39 फीसदी अंक र रहेंगे और श्रीलंका 61 फीसदी अंक पर पहुंच जाएगा और चौथे नंबर पर आ जाएगा। अगर श्रीलंका भारत को 2-0 से हराता है तो वह दौड़ में शामिल हो जाएगा। तब उनके आगे बढ़ने का वास्तविक मौका होगा, वरना उनके लिए यह पास आकर भी दूर रहने वाली कहानी होगी। इससे स्पष्ट है कि श्रीलंका के पास इस सीरीज में क्लीन स्वीप कर डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश करने का सुनहरा अवसर है।

वहीं, भारतीय टीम के हिसाब से देखें तो चोपड़ा ने बताया कि अगर भारत सीरीज में क्लीन स्वीप करता है, तो उन्हें फायदा मिल सकता है। उन्होंने कहा, अगर हम यह सीरीज 2-0 से जीतते हैं, तो हम 57.58 फीसदी अंक तक पहुंच जाएंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सीरीज 1-1 से ड्रॉ होती है, तो दोनों टीमों को कोई खास फायदा नहीं होगा। ऐसी स्थिति में भारत 48.48 पीसीटी और श्रीलंका 44.44 पीसीटी पर रहेगा,

मुद्रक , प्रकाशक, स्वामी धर्मेंद्र सिंह के लिए अग्र भारत प्रिंटिंग प्रेस 59/1420/1 अजीत नगर से मुद्रित एवं 203 निर्मल हाइट , सेक्टर 12ए सी.आर.वी. आगरा मथुरा रोड आगरा से प्रकाशित संपादक धर्मेंद्र सिंह दूरभाष 0562
ईमेल:- agrabharat0@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र आगरा होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित लेख